

व्यावसायिक वातावरण

अध्याय-1

भाग-1

परिचय

एक सफल व्यावसायिक उद्यम मानव और वित्तीय संसाधनों, नीतियों, प्रौद्योगिकियों और बाहरी पर्यावरण के संचालन सहित अपने आंतरिक वातावरण को समायोजित करता है। कंपनी व्यापार संचालन पर सामान्य और परिचालन वातावरण के विशेष पहलुओं के संभावित प्रभाव की पहचान करने के लिए एक पर्यावरण विश्लेषण करती है। यह विश्लेषण एक कंपनी की ताकत और कमजोरियों के मामले में एक व्यापार के माहौल में अवसरों और खतरों की पहचान करता है। उदाहरण के लिए, एक कंपनी कम्युनिस्ट देश में परिचालन के प्रभाव और सरकार द्वारा नियंत्रित संसाधनों से उत्पन्न खतरों पर विचार कर सकती है। एक कंपनी भी प्रतिस्पर्धी उत्पादों के मामले में एक सरकार नियंत्रित बाजार के अवसरों पर विचार कर सकते हैं, अच्छी तरह से शिक्षित और अच्छी तरह से उत्पाद विकास और बिक्री के लिए उपभोक्ताओं को भुगतान किया और आर्थिक संकट में एक देश में अपने प्राथमिक आपूर्तिकर्ताओं के स्थान के प्रभाव के निहितार्थ।

पर्यावरण विश्लेषण या स्कैनिंग का अर्थ

पर्यावरण विश्लेषण एक रणनीतिक उपकरण है जो सभी बाहरी और आंतरिक तत्वों की पहचान करता है, जो संगठन के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। विश्लेषण में खतरे या अवसर के स्तर का आकलन करने पर जोर दिया गया है जो कारक पेश कर सकते हैं। इन मूल्यांकनों को बाद में निर्णय लेने की प्रक्रिया में अनुवादित किया जाता है। विश्लेषण फर्म के पर्यावरण के साथ रणनीतियों को लाइन में

डॉ पंकज कुमार शर्मा, वाणिज्य संकाय डीएसपीएमयू

लाने में मदद करता है। दूसरे शब्दों में, पर्यावरण स्कैनिंग एक संगठन के आंतरिक और बाहरी वातावरण के भीतर घटनाओं और उनके संबंधों के बारे में जानकारी जुटाने की प्रक्रिया है। पर्यावरण स्कैनिंग का मूल उद्देश्य प्रबंधन को संगठन के भविष्य की दिशा निर्धारित करने में मदद करना है। यह एक ऐसी कवायद है जिसमें अवसरों का निर्धारण करने के लिए आर्थिक प्रतिस्पर्धी, प्रौद्योगिकीय, सामाजिक-सांस्कृतिक, जनसांख्यिकीय और राजनीतिक ताकतों जैसे उन सभी ताकतों की निगरानी की सतत प्रक्रिया शामिल है।

एल आर Jauch और W.F. Glueck के अनुसार, "पर्यावरण विश्लेषण प्रक्रिया है जिसके द्वारा रणनीतिकारों पर्यावरणीय कारकों की निगरानी के लिए और उनकी फर्मों के लिए खतरों के अवसरों का निर्धारण है। पर्यावरण निदान में पर्यावरण विश्लेषण के आंकड़ों के महत्व का आकलन करके किए गए प्रबंधकीय निर्णय होते हैं।

इस प्रकार, पर्यावरण स्कैनिंग वह प्रक्रिया है जो पर्यावरण की निगरानी की दो उप-प्रक्रियाओं से बनी है जिसे पर्यावरणयी खोज के रूप में बेहतर कहा जाता है और पर्यावरणीय निगरानी के आधार पर अवसरों और खतरों की पहचान की जाती है जिसे केवल "पर्यावरण निदान" कहा जाता है।

पर्यावरण स्कैनिंग की प्रकृति:-

1) सतत प्रक्रिया -

पर्यावरण का विश्लेषण एक आंतरायिक स्कैनिंग प्रणाली होने के बजाय एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए। विकास की तीव्र गति पर नजर रखने के लिए इसे लगातार काम करना चाहिए। इसलिए पर्यावरण की गतिशील प्रकृति के कारण पर्यावरण विश्लेषण जरूरी हो जाता है।

2) समग्र दृश्य -

पर्यावरण विश्लेषण इस अर्थ में एक समग्र अभ्यास है कि इसमें एक प्रवृत्ति टुकड़ों को देखने के बजाय पर्यावरण के कुल दृष्टिकोण को शामिल करना चाहिए। कॉर्पोरेट को आश्चर्य की संभावना को कम करने और इसकी उपयोगिता को अधिकतम करने के लिए अपने पर्यावरण की परिधि को स्कैन करना चाहिए।

डॉ पंकज कुमार शर्मा, वाणिज्य संकाय डीएसपीएमयू

3) पहला प्रस्तावक लाभ -

पर्यावरण के बारे में जागरूकता एक उद्यम को प्रतियोगियों को खोने के बजाय शुरुआती अवसरों का लाभ उठाने में मदद करती है। मसलन, मारुति उद्योग छोटी कार बाजार में लीडर बनी क्योंकि यह सबसे पहले राइजिंग मिडिल क्लास के कारण छोटी कारों की जरूरत को पहचानती थी।

4) ग्राहक पर ध्यान दें -

पर्यावरणीय समझ ग्राहक की बदलती जरूरतों और अपेक्षाओं के प्रति प्रबंधन या व्यापार संगठन को संवेदनशील बनाती है। उदाहरण के लिए, कई एफएमसीजी कंपनियों ने ग्राहकों की इच्छाओं को महसूस करते हुए शैम्पू और अन्य उत्पादों के छोटे पाउच लॉन्च किए हैं।

5) चेंज एजेंट -

बिजनेस लीडर्स चेंज के एजेंट के तौर पर काम करते हैं। वे जमीनी स्तर पर बदलाव की मुहिम रचते हैं। बदलाव की दिशा और प्रकृति तय करने के लिए नेताओं को पर्यावरण स्कैनिंग के जरिए लोगों और अन्य पर्यावरणीय ताकतों की आकांक्षाओं को समझने की जरूरत है।

6) सार्वजनिक छवि -

एक व्यापार फर्म यह दिखाकर अपनी छवि में सुधार कर सकती है कि वह अपने पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है और जनता की आकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी है। पर्यावरणीय समझ व्यवसाय को अपने पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी होने में सक्षम बनाती है।

7) सतत शिक्षा-

पर्यावरण विश्लेषण संगठन को बदलते परिदृश्य के संपर्क में रखता है ताकि वे कभी अनजान न फंसे। पर्यावरणीय शिक्षा की मदद से प्रबंधक उचित तरीके से प्रतिक्रिया दे सकते हैं और इस तरह अपने संगठन की सफलता को बढ़ा सकते हैं।